UNDP_LTF_Bhojpuri_Size: A5_Front_01 apr 2026

बाबा,

जल्दिए मिलबऽ रउआ हमसे । हमार नाम सोचले बाड़ऽ नूं?
अच्छा से सोचिहऽ...काहेकि जौनो कुछो मिली, रउआ से ही मिली।

हम अबहीं ले आपन चेहरा भी ना देखनी ।
बाकिर राउर आऊर माई के दखनी हऽ ।
जानेनी... हमरो के चेहरा ओतने खूबसूरत मिली ।

काहे कि जौनो कुछो मिली, रउआ से ही मिली ।
माई के रोजे पौष्टिक खाना चाहीं ।
तनी ध्यान रखिहऽ बाबू ।
काहे कि उनका के सेहत, ताकत आऊर नीमन स्वास्थ्य रउआ से ही मिली ।

जानतानी, रउआ दूनो जने दिन-रात मेहनत करतानी ।
हमरा भविष्य खातिर अबहियों सोचतानी ।
कास...राउआ के अभी से हमार तनी मदद मिल जात ।
बस कुछ बरस रुक जा बाबा ।
बाकिर तब ले त जौनो कुछो मिली, रउआ से ही मिली ।

जब हम दुनिया में आइब ।
डॉक्टर, आशा दीदी सब रउआ के टीकाकरण के बारे में बतइहन ।
उनकर बात अनसुना मत करिहऽ ।
आउर ई मत सोचिहऽ कि टीका लगी तऽ दरद करी या बुखार आई ।
ओही से त हमरा के हर खतरनाक बेमारी से सुरक्छा मिली ।
सही समय पऽ हर टीका लगवइहऽ ।
तबे तऽ हमारा के स्वस्थ आऊर नीमन जीवन जिए के मौका मिली ।
आऊर ई मौका भी हमरा के रउआ से ही मिली ।

आऊर हाँ...
थैंक यू, बाबा।
बहुत जिम्मेदारी आ जाई राउर कांधा पर ।
कोसिस रही कि जादा तंग ना करीं ।
कबो करब भी त डांट दिहऽ ।
काहेकि सही रास्ता पर चले के सीख त रउआ से ही मिली ।

राउर प्यारा, या प्यारी... ई त बादे में पता चली ।

UNDP_LTF_Bhojpuri_Size: A5_Back_01 apr 2026